PAGE NO. :
DATE : / /

दिनांक - 27/04/2021
नाम - रामू प्रसाद पद - Assistant Prof.
कॉलेज - T.N.A.T.T.C. Hazigaon Ara
Sub - Pedagogy of Biological Science
Class - B.Ed. (1st year)

विवेचन विधि के गुण :- इसके निम्नलिखित गुण हैं-
1. यह उच्च स्तर के छात्रों के लिए विशेष उपयोगी है।
2. इससे छात्रों में सहिष्णुता एवं सहयोग की भावना विकसित होती है।
3. यह छात्रों को अपने भावों एवं विचारों को सुव्यवस्थित रूप से अभिव्यक्त करने का प्रशिक्षण देता है।
4. यह छात्रों को स्वाध्याय हेतु प्रोत्साहित करता है।
5. इससे छात्रों की तर्क शक्ति एवं निर्णय शक्ति विकसित होती है।
6. यह छात्रों में आत्म-निर्देशन एवं स्व-अनुशासन पर बल देता है।

विवेचन विधि की सीमाएँ :- (Limitations of Discussion Method)
इसकी निम्नलिखित सीमाएँ हैं -
1. इस विधि द्वारा शिक्षण में अधिक समय लगता है।
2. यह विधि निम्न स्तर की कक्षाओं के लिए उपयोगी नहीं है।
3. अधिकांश छात्र व्यर्थ के वाद-विवाद में उलझ कर समय नष्ट करते हैं।

4) इस विधि में मन्द-बुद्धि बालक एवं लजीले बालक समुचित लाभ नहीं उठा पाते हैं।

5) सभी शिक्षक विद्यालय को सफलता पूर्वक संचालन की क्षमता नहीं रखते हैं।

प्रोजेक्ट विधि (Project Method)

जॉन डीवी के प्रयोजनवाद के सिद्धान्त पर आधारित प्रोजेक्ट विधि W.H. Kilpatrick (डब्लू. एच. किलपेट्रिक) द्वारा सन् 1918 में प्रतिपादित की गयी थी। इस विधि में शिक्षण में स्वाभाविकता एवं सजीवता आता है। यह विधि बालक को वे स्वाभाविक परिस्थितियां प्रदान करती है, जिसमें वह उद्देश्यपूर्ण किसी समस्यामूलक कार्य को सजीवता से पूर्ण करने में सफल होता है।

किलपेट्रिक के अनुसार- प्रोजेक्ट सामाजिक वातावरण में पूर्ण संलग्नता से किये जाने वाला उद्देश्यपूर्ण कार्य है। यह परिभाषा किलपेट्रिक ने सितम्बर 1918 में प्रस्तुत की थी। तत्पश्चात 1934 में उपर्युक्त परिभाषा में संशोधन करते हुए किलपेट्रिक ने लिखा था - "प्रोजेक्ट सोद्देश्य अनुभव की किसी इकाई और सोद्देश्य क्रिया के उदाहरण के रूप में परिभाषित किया जाता है, जहाँ पर अधिपत्य अधिपत्य रखने वाला प्रयोजन एक अन्तर्निहित प्रवृत्ति के रूप में कार्य के उद्देश्य को निर्धारित करता है

PAGE NO. :
DATE : / /

(2) इसकी प्रोक्रिया को निर्देशित करता है (3) इसका अन्तर प्रेरण इसे कुर्मास्विता प्रदान करता है।"

प्रोजेक्ट के प्रकार (Type of Project) किलपैट्रिक के अनुसार प्रोजेक्ट चार प्रकार के होते है।

1.) रचनात्मक प्रोजेक्ट (Constructive Project)
2.) रसास्वादन प्रोजेक्ट (Appreciation Project)
3.) समस्यात्मक प्रोजेक्ट (Problematic Project)
4.) कौशल प्रोजेक्ट (Skill Project)

1.) रचनात्मक प्रोजेक्ट :- इसके अन्तर्गत किसी रचनात्मक कार्य पर बल दिया जाता है छात्रों को रेखाचित्र, चित्र या माडल बनाने को कहा जा सकता है।

2) रसास्वादन प्रोजेक्ट :- इसका मुख्य उद्देश्य किसी क्रिया द्वारा छात्रों को आनन्दानुभूति कराना होता है।

3.) समस्यात्मक प्रोजेक्ट :- इसके अन्तर्गत छात्रो को किसी समस्या का समाधान खोजना होता है।

4.) कौशल प्रोजेक्ट :- इसका मुख्य उद्देश्य किसी कार्य मे कुशलता प्राप्त करना या उसका विशेष ज्ञान प्राप्त करना होता है।